जागो जागो – समय पहचानो

धरती पर भगवान आए है।

नाम :-

शिव

रूप :-

ज्योति बिन्दू

निवास स्थान:-

परमधाम

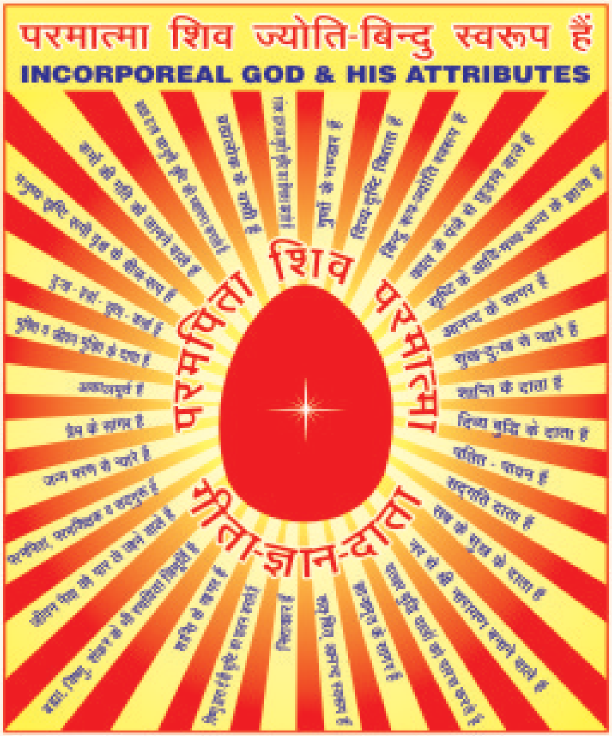

गुण :-

ज्ञान के सागर

प्रेम के सागर

शान्ति के सागर

गुणों के भण्डार

कर्तव्य :-

ब्रह्मा द्वारा स्थापना

विष्णु द्वारा पालना

शंकर द्वारा विनाश

खुशखबरी

परमपिता परमात्मा शिव द्वारा आत्माओं रूपी बच्चों को ईश्वरीय स्नेह सहित निमन्त्रण

प्रिय आत्मा रूपी बच्चों,

तुमने मुझे ढूंढने के लिए जप-तप किये, मंत्र पढ़े, यज्ञ किये, फिर भी कहा मेरा मन भटकता है ओर स्वयं की शान्ति, खुशी, प्रेम को बाह्य चीजों में ढूंढते रहे! अब मै स्वयं आया हूं! मुझे पहचानो और एक ऐसा घनिष्ट सम्बन्ध जोड़ो, जिससे मेरी सर्व शक्तियां वो स्वाभाविक ही तुम्हारी हो जाएंगी । मै तुम सब आत्माओं का निराकार परमपिता शिव परमात्मा प्रजापिता ब्रह्मा के तन में प्रविष्ट होकर ज्ञान-योग की शिक्षा दे रहा हूँ...........शीघ्र ही यह कलियुगी सृष्टि परिवर्तित होकर सतयुगी सृष्टि बन जाएगी । सतयुगी दुनिया में देवी-देवता बनने के लिए 'अपने को आत्मा समझ मुझ निराकार परमपिता शिव परमात्मा को याद करो और पावन बनो। फिर उलहाना न देना हे प्रभु! आप धरा पर आयें हमें परिचय ही नही मिला ।

हे वत्सो! समय कम है, आलस्य अलबेलापन ठीक नही, याद रखो 'अब नही तो कभी नही'।